(7)

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्

(मानितविश्वविद्यालयः)

बी-4 कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली

राष्ट्रिया पाण्डुलिपिविज्ञान-लिपिविज्ञानकार्यशाला

(दिनाङ्क ०३.०२.२०२० - १४.०२.२०२०)

प्रतिवेदन

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के आधुनिक विद्या संकाय के अन्तर्गत शोध विभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीया ''राष्ट्रिया पाण्डुलिपिविज्ञान-लिपिविज्ञानकार्यशाला'' का आयोजन दिनाङ्क 03/02/2020 से 14/02/2020 तक किया गया। कार्यशाला में निम्नलिखित 8 विद्वानों ने अधोलिखित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण कार्य किया। इस कार्यशाला में विद्यापीठ में पंजीकृत विद्यावारिधि एवं विशिष्टाचार्य के सत्रीय पाठ्यक्रम के छात्रों ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया।

दिनांक	व्याख्यानकर्ता	विषय
03.02.2020	श्री दिनेश कामत	संस्कृतभाषायाः वैशिष्ट्यम्
04.02.2020	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा	लिपीनां परिचयः, शारदालिपेः परिचयः इतिहासश्च
05.02.2020	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा	शारदालिपेरभ्यासः ग्रन्थलिपेरितिहासः अभ्यासश्च
06.02.2020	डॉ. रवीन्द्र वशिष्ठ	लिपेरुद्भवः विकासश्च, ब्राह्मीलिपेरितिहासः अभ्यासश्च
07.02.2020	डॉ. विरेन्द्र वांगडु	सचित्रपाण्डुलिपीनां परिचयः
10.02.2020	प्रो. सुदीप कुमार जैन	पाण्डुलिपियों का क्रमिकविकास, पाण्डुलिपि वैविध्य परिचय
11.02.2020	श्री हरिकिशन शर्मा	Sanskrit in 21st Century
12.02.2020	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	पाठसम्पादनम्, मातृकासम्बद्धपारिभाषिकपदानां परिचयः
13.02.2020	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	हस्तप्रतिकृतिषु दोषकारणानि दोषपरिहारश्च
14.02.2020	डॉ. संघमित्रा बासु	पाण्डुलिपिभाण्डागारेष्वपलब्धाः पाण्डुलिपयः

कार्यशाला का उद्घाटन विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी अध्यक्षता में एवं संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री दिनेश कामत जी के मुख्यातिथित्व तथा विद्यापीठ की कुलसचिव डॉ. अलका राय के सारस्वत अतिथित्व में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन में अतिथियों का स्वागत दर्शनसंकाय प्रमुख प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन आधुनिक विद्या संकाय प्रमुख प्रो. केदार प्रसाद परोहा ने किया। शोधच्छात्रों ने वैदिक एवं पौराणिक मंगलाचरण किया। उद्घाटन सत्र का संचालन शोधविभागाध्यक्ष प्रो. शिवशङ्कर मिश्र ने किया। कार्यशाला में प्रतिदिन 90-90 मिनट के दो विशिष्ट व्याख्यान विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किये गये।

कार्यशाला का समापन कार्यक्रम विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी अध्यक्षता में, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन की निदेशिका डॉ. संघमित्रा बासु के मुख्यातिथित्व में, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर के प्रो. रमाकान्त पाण्डेय के विशिष्टातिथित्व में सम्पन्न हुआ। समापन कार्यक्रम का संचालन शोधविभागाध्यक्ष प्रो. शिवशङ्कर मिश्र ने किया। समापन समारोह के अतिथियों का स्वागत भाषण शोधसहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन आधुनिक विद्या संकाय प्रमुख प्रो. केदार प्रसाद परोहा ने किया। समापन कार्यक्रम में छात्रों को कार्यशाला का प्रमाण पत्र माननीय कुलपति जी, मुख्यातिथि डॉ. संघमित्रा बासु, संकाय प्रमुख केदार परोहा, शोधविभागाध्यक्ष प्रो. शिवशङ्कर मिश्र ने प्रदान किया। इन दोनों अवसरों पर विद्यापीठ के आचार्यगण उपस्थित रहे, कार्यशाला के संयोजन में शोधविभाग के सहयोगी प्रूफ रीडर डॉ. जीवन कुमार भट्टराई ने पूर्ण सहयोग दिया। कार्यशाला के समस्त व्याख्यान स्वर्णजयन्ती सदन के भूतल सभागार में आयोजित किये गये।

उक्त कार्यशाला का संयोजन शोधविभागाध्यक्ष प्रो. शिवशङ्कर मिश्र द्वारा सम्पन्न किया गया।

(प्रो. शिवशङ्कर मिश्र)

शोधविभागाध्यक्ष